100 औद्योगिक पार्कों की तैयारी शुरू

'भव्य' योजना से भारत बनेगा वैश्विक विनिर्माण केंद्र

नई दिल्ली, 25 मई केंद्र सरकार ने देश को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'भव्य' योजना के तहत 100 विश्वस्तरीय औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए नई गाइडलाइंस जारी कर दी हैं. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य निवेश बढ़ाना, उद्योगों को आधुनिक सुविधाएं देना और रोजगार के नए अवसर पैदा करना है.

सरकार ने इस परियोजना को वर्ष 2026-27 से 2031-32 तक छह वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य तय किया है. इसके लिए कुल 33,660 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है. पहले चरण में प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के जरिए 50 औद्योगिक पार्कों का चयन किया जाएगा. जिन राज्यों के पास बेहतर भूमि, मजबूत कनेक्टिविटी और आकर्षक औद्योगिक प्रस्ताव होंगे, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी.

गाइडलाइंस के अनुसार, योजना में ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड दोनों प्रकार के पार्क शामिल होंगे. मैदानी राज्यों में औद्योगिक पार्क के लिए कम से कम 100 एकड़ भूमि जरूरी होगी, जबकि पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए यह सीमा 25 एकड़ तय की गई है.

सरकार 1000 एकड़ तक के बड़े पार्कों के प्रस्तावों पर भी विचार करेगी. इन आधुनिक औद्योगिक पार्कों में प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी, चौबीस घंटे बिजली-पानी की सुविधा और डिजिटल गवर्नेंस सिस्टम उपलब्ध कराया जाएगा. साथ ही श्रमिकों के लिए आवासीय सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी. परियोजनाओं के संचालन और रखरखाव के लिए विशेष प्रयोजन वाहन यानी एसपीवी का गठन किया जाएगा.

> सरकार का मानना है कि इस योजना से विदेशी निवेश आकर्षित होगा, निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और देश में लाखों रोजगार के अवसर पैदा होंगे. इसके साथ ही हरित ऊर्जा, अपशिष्ट प्रबंधन और टिकाऊ विकास मॉडल पर भी विशेष जोर दिया जाएगा.

आयकर रिटर्न सत्यापन जरूरी हुआ

नई दिल्ली, 25 मई आयकर रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. जिन करदाताओं को लेखा परीक्षण की आवश्यकता नहीं है, वे 31 जुलाई 2026 तक अपना रिटर्न भर सकते हैं. हालांकि केवल आयकर रिटर्न दाखिल करना ही पर्याप्त नहीं है. आयकर विभाग के नियमों के अनुसार रिटर्न भरने के बाद उसका सत्यापन करना भी अनिवार्य है. यदि करदाता तय समय सीमा के भीतर आयकर रिटर्न का सत्यापन नहीं करता है, तो उसे अमान्य माना जा सकता है. आयकर विभाग के अनुसार, रिटर्न सत्यापित होने के बाद ही उसे संसाधित किया जाता है. सामान्य तौर पर सत्यापन के बाद रिटर्न को संसाधित होने में 15 से 45 दिन का समय लग सकता है. करदाता ऑनलाइन रिटर्न दाखिल करने के 30 दिनों के भीतर उसका सत्यापन कर सकता है.

एआई खर्च से कंपनियां हुईं परेशान

माइक्रोसॉफ्ट, उबर और एनवीडिया का कृत्रिम बुद्धिमत्ता बजट बिगड़ा

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े बढ़ते खर्च ने नई चुनौती खड़ी कर दी

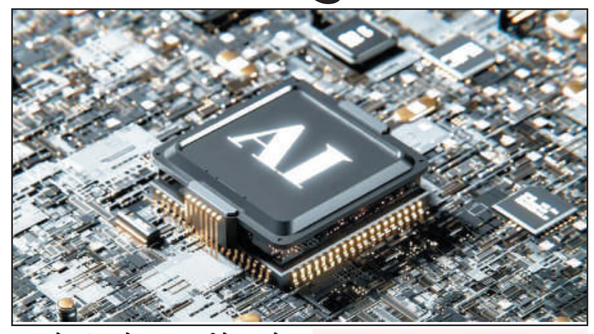

नई दिल्ली, 25 मई कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई को कंपनियों के लिए खर्च घटाने वाला सबसे बड़ा हथियार माना जा रहा था, लेकिन अब यही तकनीक बड़ी कंपनियों पर आर्थिक बोझ बनती दिख रही है.

माइक्रोसॉफ्ट, उबर और एनवीडिया जैसी दिग्गज कंपनियों के सामने कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े बढ़ते खर्च ने नई चुनौती खड़ी कर दी है. हालात ऐसे बन गए हैं कि कई जगह कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम को चलाने का खर्च कर्मचारियों की सैलरी से भी ज्यादा पहुंच गया है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, माइक्रोसॉफ्ट ने कुछ महीने पहले अपने हजारों कर्मचारियों को 'क्लॉड कोड' एआई टूल इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी, ताकि कोडिंग का काम तेजी से हो सके. कर्मचारियों द्वारा जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल किए जाने के कारण कंपनी का खर्च अचानक बढ़ गया. माइक्रोसॉफ्ट ने कई कर्मचारियों से यह एक्सेस वापस लेना शुरू कर दिया और उन्हें दूसरे कम खर्च वाले टूल्स की ओर भेजा जा रहा है.

> एआई मॉडल हर 'टोकन' के हिसाब से शुल्क लेते हैं. जैसे-जैसे एआई का उपयोग बढ़ रहा है, वैसे-वैसे टोकन की खपत और कुल बिल दोनों तेजी से बढ़ रहे हैं. गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि 2030 तक एजेंटिक एआई सिस्टम आने के बाद टोकन उपयोग 24 गुना तक बढ़ सकता है. यही वजह है कि कंपनियां एआई के फायदे और उसके बढ़ते खर्च के बीच संतुलन बनाने की कोशिश में जुट गई हैं.

आईपीओ से निवेश का मिला नया मौका

नई दिल्ली, 25 मई शेयर बाजार में निवेश की शुरुआत करने वाले लोगों के लिए आईपीओ एक बड़ा मौका माना जाता है. आईपीओ यानी प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव वह प्रक्रिया है, जब कोई निजी कंपनी पहली बार आम लोगों को अपने शेयर बेचती है.

इसके जरिए कंपनी पूंजी जुटाती है और शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो जाती है. इसके बाद आम निवेशक भी कंपनी में हिस्सेदारी खरीद सकते हैं. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज जैसे शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने के लिए कंपनियां आईपीओ लाती हैं. कंपनियां इस पैसे का उपयोग कारोबार बढ़ाने, नई परियोजनाएं शुरू करने या पुराने कर्ज चुकाने के लिए करती हैं. आईपीओ में निवेश करने वालों को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं. सबसे बड़ा आकर्षण 'लिस्टिंग लाभ' होता है. कई बार कंपनी के शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते ही उनकी कीमत बढ़ जाती है, जिससे निवेशकों को पहले दिन ही मुनाफा मिल सकता है. इसके अलावा अच्छी कंपनी के शेयर लंबे समय तक रखने पर निवेश की कीमत कई गुना बढ़ सकती है.

डब्ल्यूसीएल को मिली नई पहचान

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने लॉन्च किया पहला कॉर्पोरेट

नागपुर, 25 मई. नागपुर वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने अपने इतिहास में पहली बार स्वतंत्र कॉर्पोरेट लोगो और नई कॉर्पोरेट पहचान का भव्य अनावरण किया. (कोल इंडिया लिमिटेड) के अधीन मिनीरत्न सार्वजनिक उपक्रम डब्ल्यूसीएल के लिए यह अवसर ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण माना जा रहा है.

कार्यक्रम में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (डॉ. हेमंत शरद पांडे), निदेशक (वित्त एवं मानव संसाधन) श्री बिक्रम घोष, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री आनंदजी प्रसाद तथा निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना श्री संदीप परांजपे सहित कंपनी के विभिन्न क्षेत्रों और इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए. अपने संबोधन में डॉ. हेमंत शरद पांडे ने कहा कि वर्ष 1975 से डब्ल्यूसीएल देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ कंपनी आधुनिक तकनीक, नवाचार और सतत विकास के सिद्धांतों को अपनाकर भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए खुद को तैयार कर रही है. उन्होंने बताया कि डब्ल्यूसीएल की मल्टीमीडिया कम्युनिकेशन टीम द्वारा विकसित नया लोगो कंपनी की गौरवशाली विरासत, संगठनात्मक शक्ति और प्रगतिशील सोच का प्रतीक है.

> डॉ. पांडे ने विश्वास जताया कि नई कॉर्पोरेट पहचान डब्ल्यूसीएल की संस्थागत, डिजिटल और ब्रांडिंग उपस्थिति को और मजबूत करेगी तथा कर्मचारियों और हितधारकों में गर्व और एकता की भावना बढ़ाएगी. वहीं निदेशक बिक्रम घोष ने कहा कि यह नया लोगो केवल पहचान नहीं, बल्कि डब्ल्यूसीएल की कार्य संस्कृति, दूरदर्शी सोच और संगठनात्मक मूल्यों का प्रतीक है.

लोगो में 'डब्ल्यू' और 'सी' का अभिनव संयोजन नई संभावनाओं और आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. लाल रंग का 'सी' ऊर्जा, उत्साह और कोल इंडिया की समृद्ध परंपरा का प्रतीक माना गया है, जबकि इसका आकार हॉकी स्टिक की झलक देते हुए राष्ट्रीय गौरव और टीम भावना को भी दर्शाता है.

गूगल बना दुनिया का शीर्ष ब्रांड

टॉप 100 सूची में भारत की तीन कंपनियां शामिल

ऐपल की ब्रांड वैल्यू 6 प्रतिशत बढ़ 132 लाख करोड़ रुपये पर पहुंची

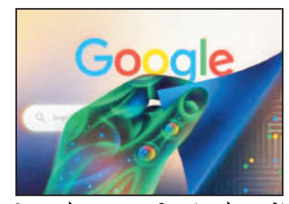

नई दिल्ली, 25 मई दुनिया के शीर्ष 100 ब्रांड्स की नई सूची में (गूगल) ने (ऐपल) को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल कर लिया है. पिछले चार वर्षों से शीर्ष पर काबिज ऐपल इस बार दूसरे स्थान पर पहुंच गया, जबकि (माइक्रोसॉफ्ट) तीसरे नंबर पर रहा. रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के टॉप 100 ब्रांड्स की कुल वैल्यू 22 प्रतिशत बढ़कर 13 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गई है.

मुताबिक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक को तेजी से अपनाने का सबसे ज्यादा फायदा गूगल को मिला है. गूगल की ब्रांड वैल्यू में 57 प्रतिशत की रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे उसकी कुल वैल्यू करीब 142 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई. वहीं ऐपल की ब्रांड वैल्यू केवल 6 प्रतिशत बढ़ सकी और वह लगभग 132 लाख करोड़ रुपये पर पहुंची. सूची में (अमेजन) चौथे और (एनवीडिया) पांचवें स्थान पर रही. एनवीडिया की ब्रांड वैल्यू में 60 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया. चीन की (अलीबाबा) और एग्रीकल्चरल बैंक ऑफ चाइना जैसी कंपनियों ने भी तेज बढ़त दर्ज की है.

दूरदर्शन नेशनल पर लौटेगा मनोरंजन का सुनहरा दौर

हंसी, सवालों और यादगार किरदारों के साथ

नई दिल्ली, 25 मई. भारत का प्रतिष्ठित सार्वजनिक प्रसारक एक बार फिर अपने दर्शकों के लिए मनोरंजन, ज्ञान और पारिवारिक मूल्यों से भरपूर शानदार कार्यक्रमों की श्रृंखला लेकर आ रहा है. दूरदर्शन नेशनल अब दर्शकों को ऐसा पारिवारिक मनोरंजन प्रदान करेगा, जो हर पीढ़ी को जोड़ता है और पूरे परिवार को एक साथ बैठकर टीवी देखने का अवसर देता है.

दूरदर्शन नेशनल की नई प्रोग्रामिंग लाइन-अप में कॉमेडी, सामाजिक सरोकार और ज्ञान का बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा. लोकप्रिय कार्यक्रमों की वापसी के साथ चैनल दर्शकों की पुरानी यादों को ताज़ा करने के साथ-साथ नई पीढ़ी के लिए ताज़ा मनोरंजन का अनुभव भी लेकर आएगा.

सबसे बड़ा आकर्षण होगा देश का सबसे लोकप्रिय और सदाबहार क्विज शो, सदाबहार 'कौन बनेगा करोड़पति', जो केवल एक क्विज शो नहीं बल्कि करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों, सपनों और प्रेरणादायक कहानियों का मंच है. वर्षों से यह कार्यक्रम भारतीय टेलीविजन का सबसे विश्वसनीय और लोकप्रिय ज्ञान आधारित शो बना हुआ है. महानायक अमिताभ बच्चन की दमदार प्रस्तुति, उनकी सहज बातचीत और प्रतिभागियों के साथ भावनात्मक जुड़ाव इस शो को हर आयु वर्ग के दर्शकों के बीच खास बनाता है. सदाबहार 'कौन बनेगा करोड़पति' ने देश के कोने-कोने से आए सामान्य लोगों को अपनी प्रतिभा और ज्ञान के दम पर नई पहचान दी है. यह शो न केवल मनोरंजन करता है, बल्कि दर्शकों को प्रेरित करने, सामान्य ज्ञान बढ़ाने और आत्मविश्वास मजबूत करने का माध्यम भी बन चुका है. हर एपिसोड में दर्शकों को रोमांच, भावनाएं, संघर्ष की प्रेरणादायक कहानियां और ज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिलता है.

आईटीसी ने पेश की सनफीस्ट ब्रेकफास्ट स्मूदी

नयी दिल्ली, 25 मई एफएमसीजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी आईटीसी ने सोमवार को रेडी-टू-ड्रिंक पेय 'सनफीस्ट ब्रेकफास्ट स्मूदी' बाजार में पेश करने की घोषणा की. कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि केला, दूध, बादाम, जौ, खजूर और चार 'सुपर सीड्स' से बनी नयी सनफीस्ट ब्रेकफास्ट स्मूदी उपभोक्ताओं को नाश्ते का त्वरित, पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प उपलब्ध कराती है. इसमें प्रति सर्विंग छह ग्राम प्रोटीन है.

सोना- चांदी के दामों में आया उछाल

600 रुपए महंगा हुआ सोना

4000 रुपए उछली चांदी

नई दिल्ली, 25 मई सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को जोरदार तेजी देखने को मिली. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर सोना जहां 600 रुपये से ज्यादा उछल गया, वहीं चांदी की कीमत में 4000 रुपये से अधिक की बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई.

कारोबारी सप्ताह की शुरुआत में दोनों कीमती धातुओं में आई इस तेजी ने निवेशकों और सर्राफा कारोबारियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज) पर सुबह के कारोबार में जून डिलीवरी वाला सोना 646 रुपये की तेजी के साथ 1,59,325 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. शुरुआती कारोबार के दौरान सोने ने 1,59,500 रुपये का स्तर भी छू लिया. वहीं जुलाई डिलीवरी वाली चांदी 4,486 रुपये की मजबूत छलांग लगाकर 2,76,332 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती दिखाई दी. कारोबार के दौरान चांदी का भाव 2,76,888 रुपये तक पहुंच गया.

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीद, डॉलर की कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने कीमती धातुओं को मजबूती दी है.

समाचार विशेष

महाविकास अघाड़ी में बढ़ी दरार?

पीएम मोदी पर पवार के बयान से नाराज उद्धव गुट

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति में अक्सर बयान सिर्फ बयान नहीं होते, बल्कि आने वाले राजनीतिक समीकरणों का संकेत बन जाते हैं. इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ है. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को लेकर तारीफ क्या कर दी, महाविकास अघाड़ी यानी एमवीए के भीतर नई बहस छिड़ गई.

राजनीति में विरोधियों की तारीफ कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब विपक्ष का सबसे अनुभवी चेहरा सत्ता पक्ष के नेता की सार्वजनिक सराहना करे और उसी गठबंधन का दूसरा बड़ा चेहरा उस पर नाराजगी जता दे, तो सवाल उठना तय है. खासकर तब जब महाराष्ट्र में विपक्ष पहले ही हार और अंदरूनी असमंजस से जूझ रहा हो. शरद पवार का बयान भाजपा के लिए राजनीतिक ऑक्सीजन बन गया, जबकि उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने इसे लेकर अलग ही सुर छेड़ दिए. इससे साफ दिखने लगा है कि एमवीए के भीतर विचारों की दूरी अब खुलकर सामने आने लगी है.

> **संजय राउत ने असहमति जताई**
>
> मुंबई मराठी पत्रकार संघ के कार्यक्रम में शरद पवार ने कहा कि वैचारिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी विदेशों में भारत की प्रतिष्ठा बनाए रखने का काम कर रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि देश की प्रतिष्ठा के मुद्दे पर राजनीतिक मतभेदों को अलग रख देना चाहिए. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तुरंत इस बयान का स्वागत किया और कहा कि विदेशों में भारत के भविष्य के लिए जो समझौते किए जा रहे हैं, उन्हें लेकर पवार का बयान महत्वपूर्ण है. लेकिन शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सांसद संजय राउत इससे सहमत नजर नहीं आए. उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रेस कॉन्फ्रेंस से बचने पर सवाल उठाए और कहा कि लोकतंत्र में जवाबदेही जरूरी है. राउत ने इंदिरा गांधी और मनमोहन सिंह का उदाहरण देते हुए कहा कि विदेश दौरों के दौरान पत्रकारों के सवालों का सामना करने की परंपरा जारी रहनी चाहिए. इसके बाद महाराष्ट्र की राजनीति में यह चर्चा तेज हो गई कि क्या एमवीए में सब कुछ सामान्य नहीं है.

कांग्रेस का नया संगठन महासचिव बनेगा!

नई दिल्ली. इस बात की चर्चा बहुत जोर शोर से चल रही है कि केसी वेणुगोपाल की विदाई होगी. उनकी जगह राहुल गांधी नया संगठन महासचिव नियुक्त करेंगे.

यह भी कहा जा रहा है कि केरल में मुख्यमंत्री बनने के लिए उन्होंने जितना जोर लगाया वह उनके खिलाफ गया है. अगर वे बहुत जोर नहीं लगाते, अपनी दावेदारी पेश नहीं करते तो हो सकता है कि वे मुख्यमंत्री भी बन जाते और अगर नहीं बनते तो कम से कम संगठन महासचिव की कुर्सी पर कोई खतरा नहीं आता. परंतु दावेदारी करके उन्होंने अपना नुकसान कर लिया है. राहुल गांधी को भी यह बात ठीक नहीं लगी और सोविया गांधी व प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी इसे अच्छा नहीं माना है.

तभी कहा जा रहा है कि नए संगठन महासचिव की तलाश हो रही है. कई नामों की चर्चा है. उत्तर भारत से हिंदी भाषी और पिछड़ी जाति का कोई चेहरा लाने की बात हो रही है.

बदलाव होने तक आश्रम में ही रहेंगे पीके

दरभंगा. बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में अपेक्षानुसार प्रदर्शन नहीं होने के बाद भी जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर की बिहार की राजनीतिक में सक्रियता बरकरार है. इस बीच उन्होंने सूबे में सामाजिक व राजनीतिक बदलाव को लेकर एक बड़ा संकल्प लिया है.

बुधवार को दरभंगा के लहेरियासराय स्थित प्रेक्षागृह में जन सुराज की ओर से बिहार नवनिर्माण अभियान का आयोजन किया गया था. इस बैठक में उन्होंने घोषणा की कि अब वे अपना घर छोड़कर पटना के बिहटा स्थित जन सुराज नव निर्माण आश्रम में रहने लगे हैं. कहा कि बिहार में वास्तविक बदलाव होने तक वे वहीं रहेंगे और जन सुराज के सभी कार्यक्रमों का संचालन करेंगे.

बैठक के दौरान विभिन्न इकाइयों के साथ संवाद करते हुए प्रशांत किशोर ने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि बिहार में हाल में सरकार बदलने के बावजूद जनता की मूल समस्याएं नहीं बदली हैं. उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के समय जिस नेता को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर पेश किया गया था, वे खुद ही राजनीतिक रूप से पीछे हट गए. बावजूद बिहार से पलायन की समस्या खत्म नहीं हुई. पीके ने बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को घेरा. प्रशांत किशोर ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान सत्ताधारी दल की ओर से एक करोड़ रोजगार देने का वादा किया गया था. हाल में सरकार ने छह महीने पूरे कर लिए, लेकिन धरातल पर कोई बड़ा बदलाव दिखाई नहीं पड़ रहा है. उन्होंने इस आरोप को दोहराया कि बिहार के युवाओं को रोजगार देने के जगह उन्हें मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों में जाने को मजबूर किया जा रहा है. यह भी कहा कि सत्ता में बैठे कुछ लोग अपने परिवार को राजनीति में आगे बढ़ाने में लगे हैं, जबकि बिहार के नौजवान आज भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं.

गुजरात प्राथमिकता, बिहार पीछे

जन सुराज के सूत्रधार ने कहा कि बिहार के नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की प्राथमिकता बिहार नहीं, बल्कि गुजरात है. उन्होंने उद्योगपति गौतम अडाणी के प्रस्तावित आंख के अस्पताल का जिक्र करते हुए सरकार पर हमला बोला. उन्होंने कहा कि सरकार अस्पताल खोलने की बात तो कर रही है, लेकिन पीरपैंती बिजली परियोजना में कथित घोटाले पर जवाब नहीं दे रही. लोगों को विकास के नाम पर केवल सब्जबाग दिखाए जा रहे हैं.

विशेष सरकाघाट नगर परिषद के नतीजों ने चौंकाया

प्रचार में भीड़, मिला सिर्फ एक वोट

मंडी. हिमाचल प्रदेश में जिला मंडी के सरकाघाट नगर परिषद चुनाव का एक परिणाम इन दिनों पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है. वार्ड नंबर-7 बैहड़ से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने वाले सुमित कुमार को मतगणना में केवल एक वोट मिला. चुनाव परिणाम सामने आते ही राजनीतिक गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक इस नतीजे को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया. लोग हैरानी जता रहे हैं कि चुनाव प्रचार के दौरान सक्रिय दिखाई देने वाले उम्मीदवार को सिर्फ एक वोट कैसे मिला.

सुमित कुमार कुछ समय पहले तक भाजपा से जुड़े हुए थे. बाद में उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया था. कांग्रेस नेता पवन ठाकुर की मौजूदगी में उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल कराया गया था. उस समय कांग्रेस नेताओं ने इसे संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जोड़ बताया था और क्षेत्र में पार्टी की मजबूती के रूप में पेश किया था. पार्टी में शामिल होने के बाद सुमित कुमार लगातार सक्रिय रहे और स्थानीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करने का प्रयास करते रहे. कई कार्यक्रमों और जनसंपर्क अभियानों में भी उनकी मौजूदगी देखने को मिली थी..

चुनाव प्रचार में दिखाई दी थी सक्रियता- नगर परिषद चुनाव में वार्डों के आरक्षण में बदलाव के बाद सुमित कुमार ने वार्ड नंबर-7 बैहड़ से चुनाव लड़ने का फैसला किया था. चुनाव मैदान में उतरने के बाद उन्होंने घर-घर जाकर प्रचार किया. वार्ड में पोस्टर, बैनर और अन्य प्रचार सामग्री भी लगाई गई. चुनावी सभाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों में उनके साथ समर्थकों की अच्छी मौजूदगी भी दिखाई देती रही. इसी कारण स्थानीय स्तर पर माना जा रहा था कि मुकाबला दिलचस्प रहेगा और उम्मीदवार को अच्छा समर्थन मिल सकता है. लेकिन मतगणना के दौरान सामने आए परिणाम ने सभी को चौंका दिया.

चुनाव परिणाम में केवल एक वोट मिलने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं. स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि यदि प्रत्याशी को केवल एक वोट मिला, तो क्या परिवार और करीबी समर्थकों ने भी उनका साथ नहीं दिया.

> **राजनीतिक संदेश भी छोड़ गया परिणाम**
>
> राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह नतीजा स्थानीय राजनीति में कई संकेत छोड़ गया है. कुछ लोग इसे संगठनात्मक कमजोरी से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि कुछ इसे मतदाताओं के रुझान और स्थानीय समीकरणों का परिणाम बता रहे हैं. सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे को लेकर मजाकिया टिप्पणियों के साथ-साथ गंभीर राजनीतिक विश्लेषण देखने को मिल रहा है. सरकाघाट नगर परिषद चुनाव का यह अनोखा परिणाम अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का केंद्र बन गया है और आने वाले दिनों में भी स्थानीय राजनीति में इसकी गूंज सुनाई देती रह सकती है.